>

Title: Need to construct a new bridge over river Sone at Kailavar in Bihar to facilitate smooth traffic movement.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति जी, मैं उस इलाके की पीड़ा व्यक्त करने के लिए खड़ा हुआ हूं, जिस इलाके के वीर कुंवर सिंह ने गुलाम भारत को आजाद कराने के लिए सबसे बड़ी लड़ाई लड़ी थी। जिस इलाके के रहने वाले शेरशाह सूरी ने पूरे हिन्दुस्तान के लिए एक बहुत बड़ी सड़क शेरशाह सूरी पथ बनाकर पूरे भारत राष्ट्र को जोड़ने का काम किया था।

महोदय, मैं उस इलाके की बात कर रहा हूं, जहां भारत की संस्कृति ने जन्म लिया। विश्वामित्र के आश्रम में राम ने ज्ञान प्राप्त किया और वह बक्सर, भोजपुर, कैमूर और रोहतास आज भी बिहार की राजधानी से तरीके से नहीं जुटा हुआ है। दो पथीय राष्ट्रीय राजमार्ग मोहनीया-आरा और राजमार्ग बक्सर-आरा, ये दोनों जहां आरा में मिलकर के पटना की तरफ सड़कें जाती हैं, आज भी वहां के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अंग्रेजों के ज़माने का बना हुआ रेल, सह सड़क कोइलवर पुल आज किसी काम का नहीं है। हम लोगों के अथक प्रयास के बाद दो लेन की सड़कें चार लेन में बदलने वाली हैं, लेकिन एक पथीय कोइलवर में एक सोन ब्रिज है, सोन जैसी बड़ी नदी पर। वहां यदि चार लेन का पुल नहीं बना तो राष्ट्रीय राजमार्ग मोहनीया-आरा, राजमार्ग बक्सर और आरा, जो राजधानी से जोड़ता है पश्चिम के इलाकों को कोई फायदा नहीं होगा । इतना महत्वपूर्ण, पौराणिक और ऐतिहासिक इलाके के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

अतः मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि सड़कों का आवागमन सही ढंग से बिहार की राजधानी से बिहार के पश्चिम के इलाके का हो सके, इसके लिए सोन पर एक नया ब्रिज चार लेन का बनाया जाए, ताकि आवागमन उस इलाके के लोगों को उपलब्ध हो सके। संयोग से वह इलाका अपने आप में बहुत पिछड़ा हुआ नहीं है, विकसित इलाका है। लेकिन आवागमन के साधन के आभाव में चाहे व्यापार हो, चाहे राजधानी में जाने का कोई विषय हो, लोगों का आना-जाना रुका पड़ा है। आवश्यक है कि फोर लेन की बन रही दोनों सड़कों के लिए राजधानी से जोड़ने के लिए सोन पर एक नया ब्रिज फोर लेन का कोइलवर में बनाया जाए।